हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट,भोपाल

प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग

दिनांक: 15/01/2024

आज की समाचार कतरनें

S no.	Publication	Subject	Page no.
01	Patrika	Union related news	03
02	Raj Express	Union related news	04
03	Dainik Jagran	Union related news	05
04	Nav Bharat	TAD related news	06

Publication Date-	14.01.2024	**Patrika**
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

हेवु भारतीय मजदूर संघ ने गेट मीटिंग कर इंसेंटिव स्कीम लागू होने पर जताई खुशी

बीएचईएल प्रबंधन ने कोरोना की आड़ में वर्ष 2019 से बंद कर दिया था भेल कर्मचारियों का इंसेंटिव इन्सलरी और टी-3

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भेल. बीएचईएल के फाउंड्री गेट नंबर पांच पर हेवु बीएमएस ने सभा कर इंसेंटिव स्कीम लागू होने पर पटाखे फोड़कर और लड्डू बांटा खुशी जताई। बीएमएस की ओर से नियुक्त प्लांट कमेटी सदस्य नितिन कोंडे ने भेल कर्मचारियों को 11 जनवरी को दिल्ली में आयोजित बैठक को लेकर बताया कि निफ्टी ऐबु और सीटू ने बिना स्कीम सुने ही इंसेंटिव स्कीम का विरोध कर दिया।

भेल कारखाने में 2019 से भेल कर्मचारियों का इंसेंटिव इन्सलरी और टी-3 भेल प्रबंधन ने कोरोना की आड़ में बंद कर दिया था। इसे लेकर भारतीय मजदूर संघ स्थानीय भेल प्रबंधन से लेकर दिल्ली तक अपनी मांगों को लेकर लड़ती रही। भेल प्रबंधन ने हाल ही में बिना इंसेंटिव दिए सर्कुलर जारी कर 8 घंटे ड्यूटी का फरमान जारी कर दिया। इसके विरोध में भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष विजय सिंह कठैत ने मैनेजमेंट को कारखाने के अंदर आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। इस पर भेल मैनेजमेंट ने 11 जनवरी को सभी केंद्रीय लीडरों को बुलाकर सेंट्रलाइज्ड इंसेंटिव स्कीम पर चर्चा की। भारतीय मजदूर संघ की ओर से सेंट्रल लीडर एन अंगूरस्वामी और भेल भोपाल से नितिन कोंडे ने बैठक में शामिल होकर इंसेंटिव स्कीम लागू करवाया। कंपनी की स्थिति सुधरने पर इस स्कीम में समय-समय पर चर्चा का भी प्रावधान किया गया है।

Publication Date-	14.01.2024	**Raj Express**
Page no.-	06	
Journalist-	Bhopal Bureau	

इंसेंटिव स्कीम के लिए मनाया जश्न

भेल। शनिवार को भेल में हेवी बीएमएस ने फाउंड्री गेट गेट नंबर पांच पर द्वारा सभा कर इंसेंटिव स्कीम लागू होने पर पटाखे फोड़ लड्डू वितरण कर जश्न मनाया। गेट मीटिंग में नितिन कोंडे ने पूरी बीएमएस का हाल सुनाते हुये कहा कि निफ्टी ऐबू और सीटू ने बिना स्कीम सुने ही वहां से इंसेंटिव स्कीम का विरोध कर दिया जिससे कारखाने का कर्मचारी आहत हुआ। भेल मैनेजमेंट ने 11 जनवरी 2024 को सभी केंद्रीय लीडरों को न्यौता देकर सेंट्रलाइज्ड इंसेंटिव स्कीम पर चर्चा हेतु बुलाया जिसमें भारतीय मजदूर संघ की ओर से सेंट्रल लीडर एम अंगूस्वामी और भेल भोपाल से नितिन कोंडे ने बैठक में भाग लिया। श्री कोंडे ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ के अथक प्रयास से हम एक ही बैठक में उसे लागू करने में सफल रहे।

Publication Date-	14.01.2024	**Dainik Jagran**
Page no.-	06	
Journalist-	Bhopal Bureau	

बीएमएस ने फाउंड्री गेट पर इंसेंटिव स्कीम के लिए मनाया जश्न

पटाखे फोड़ लड्डू वितरण कर जाहिर की खुशी

भेल। शनिवार को कारखाने के गलियारों में हर्ष का वातावरण रहा। जहां एक ओर कर्मचारियों में इंसेंटिव स्कीम लागू होने की खुशी दिख रही थी तो वहीं यूनियन के पदाधिकारियों में कर्मचारियों की संतुष्टी के कारण खुशी का माहौल था। दिल्ली कारपोरेट में हुई जेसीएम का नितिन कोंडे ने हाल सुनाया उन्होंने बताया कि निकट ऐटू और सीटू ने बिना स्कीम सुने ही यहां से इंसेंटिव स्कीम का विरोध कर दिया जिससे कर्मचारी आहत हुआ ऐटू और सीटू की ओर से शामिल प्रतिनिधि ने कहा कि हमें इंसेंटिव स्कीम नहीं चाहिए,यही भेल कारखाने में 2019 से भेल कर्मचारियों का इंसेंटिव इन्सलरी और टी 3 भेल प्रबंधन ने कोरोना की आड़ में बंद कर दिया था जिसे लेकर भेल भोपाल भारतीय मजदूर संघ इंसेंटिव इन्सलरी के लिए भेल प्रबंधन से भोपाल से लेकर दिल्ली तक अपनी मांगों को लेकर लड़ती रही जब की उस समय तीसरे नंबर होने के बावजूद सबसे ज्यादा प्रदर्शन और विरोध भारतीय मजदूर संघ ने ही किया।

वर्ष 2022 में हमने लोगों से जनमत मांग। कर्मचारियों ने हमें नं 1 यूनियन बनाया । भेल प्रबंधन हाल ही में सर्कुलर के द्वारा 8 घंटे ड्यूटी का फरमान जारी कर दिया बिना इंसेंटिव दिए इसके विरोध में भारतीय मजदूर संघ भेल भोपाल के अध्यक्ष विजय सिंह कठैत ने मैनेजमेंट को चेताया की बिना इंसेंटिव इंसलरी और लागू किए बगैर आप 8 घंटे ड्यूटी नहीं करवा सकते और हम कारखाने के अंदर आंदोलन छेड़ देंगे जिस पर भेल मैनेजमेंट ने 11 जनवरी 2024 को सभी केंद्रीय लीडरों को न्योता देकर सेंट्रलाइज्ड इंसेंटिव स्कीम पर चर्चा हेतु बुलाया जिसमें भारतीय मजदूर संघ की ओर से केंद्रीय नेता एन अंगुस्वामी और भेल भोपाल से नितिन कोंडे ने बैठक में भाग लिया। श्री कोंडे ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ के अथक प्रयास से इसे लागू करने में सफल रहे लेकिन उसमें भी कर्मचारी विरोधी मानसिकता के लीडर जैसे सीटू यूनियन के सेंट्रल लीडर बैठक में नहीं आए और उनकी ओर से जो लोग उस बैठक का नेतृत्व कर रहे थे उन्होंने ने कहा? इंसेंटिव स्कीम नहीं चाहिए कहकर नकार दिया कहा और कर्मचारीयों को इसकी आवश्यकता नहीं है और दूसरी ओर ऐटू यूनियन के सेंट्रल के नेता ?नॉन्डिया ने इस स्कीम को उलझाने का भरसक प्रयास किया।

Publication Date-	14.01.2024	**Nav Bharat**
Page no.-	03	
Journalist-	Bhopal Bureau	

झुग्गियों के अतिक्रमण ने रोका रोड का निर्माण

नगर निगम बना रहा 45 करोड़ की लागत से सात किलोमीटर लंबी रोड, विस्थापन में हो रही परेशानी

भेल, 13 जनवरी. क्षेत्र में 25 करोड़ रुपये से पिपलानी-खजूरी कला मार्ग को फोरलेन किया जा रहा है. इसके लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्च 2023 में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी.

अप्रैल में इसका भूमिपूजन भी हो गया, लेकिन अब तय समयसीमा में काम पूरा नहीं होने से प्रतिदिन इन सड़कों से गुजरने वाले दो लाख से अधिक लोगों को परेशानी हो रही है. उल्लेखनीय है कि 45 करोड़ रुपये की दोनों सड़क का अक्टूबर में पूरा होना था काम.

चुनाव से पहले ही इसे रोक दिया गया-यहां बता दें कि भूमिपूजन के दौरान लोक निर्माण विभाग के मंत्री ने स्वयं दावा किया था कि इन दोनों सड़कों का निर्माण अक्टूबर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा. लेकिन इसके बावजूद दोनों सड़कों का निर्माण कार्य तीन माह की देरी से शुरु हुआ.

इधर कुछ स्थानों पर खोदाई कर ठेकेदारों ने काम भी शुरु किया, लेकिन चुनाव से पहले ही इसे रोक दिया गया. अब उखड़ी सड़कों पर चलने के लिए वाहन चालक मजबूर हैं. इधर उखड़ी सड़क में धूल के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर हो रहा है

आधी सड़क खोदकर छोड़ी-पिपलानी-खजूरी कला मार्ग का 25 करोड़ रुपये से निर्माण होना है. इसका भूमि पूजन भी चार अप्रैल को हो चुका है. लेकिन काम वर्षा में शुरु किया गया.

इसकी शुरुआत पिपलानी स्थित इलाहाबाद बैंक से शुरु की गई। लेकिन सड़क के दोनों ओर करीब 500 मीटर किनारा खोदकर इसे छोड़ दिया गया. इससे राहगीरों को अधिक परेशानी हो रही है.

मार्च 2023 में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी

भेल क्षेत्र में 20 करोड़ रुपये से जेके रोड का उन्नयन और 25 करोड़ रुपये से पिपलानी-खजूरी कला मार्ग को फोरलेन करना है? इसके लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्च 2023 में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी. वहीं अप्रैल माह में इसका भूमिपूजन भी हो गया, लेकिन अब तय समयसीमा में काम पूरा नहीं होने से प्रतिदिन इन सड़कों से गुजरने वाले दो लाख से अधिक लोगों को परेशानी हो रही है।

रात में इस रोड पर अंधेरा छाया रहता है. विपरित दिशा से आ रही वहन नहीं दिख पाते. इससे डर लगा रहता है.
- बाबूलाल,
भोपाल.

हमने पी डब्ल्यू डी अधिकारियों से रोड काम जल्द शुरू करने कहा है, इसमे कुछ अतिक्रमण आ रहा है. उस हटाने को कहा है.
- कृष्णा गौर,
मंत्री और विधयक,
गोविंदपूरा भोपाल.

पीपलानी से khajurikala जाने वाली रोड के चौड़ीकरण कार्य बंद होने से वाहन चालकों को बहुत परेशानी हो रही है. सड़क का एक हिस्सा खोद कर छोड़ दिया गया है. इससे रोज हादसे हो रहे हैं.
- दीपक गुप्ता,
गोपाल नगर भेल.